

No. of Printed Pages : 7

**BPY–001**

**BACHELOR’S DEGREE PROGRAMME  
(BDP) PHILOSOPHY  
Term-End Examination  
June, 2024**

**BPY–001 : INDIAN PHILOSOPHY PART—I**

*Time : 3 Hours*

*Maximum Marks : 100*

---

**Note :** (i) *Answer all the five questions.*

(ii) *All questions carry equal marks.*

(iii) *Answer to Question Nos. 1 and 2 should be in about 400 words each.*

---

---

1. Explain the difference between *shruti* and *smriti* with reference to classical Indian Philosophy. 20

*Or*

“By whom willed and directed does the mind light on its objects ? By whom commanded does the life move first ? Art whose instance do (people) utter this speech ? And what god is it that prompts the eye and the ear ?” Explain this passage from Kena Upanishad. 20

**P. T. O.**

2. How does Prasna Upanishad explain the ultimate cause of the world ? Discuss. 20

*Or*

Present an account of Dream state and Deep Sleep state of consciousness according to Māndūkya Upanishad. 20

3. Answer any **two** of the following in about **200** words each :

(a) Explain the significance of Nachiketa Dialogue in Katha Upanishad. 10

(b) Explain the characteristics of the Self according to Māndūkya Upanishad. 10

(c) Bring out the nature of relation between Jiva and Brahman according to Mundaka Upanishad. 10

(d) Give an exposition of ethical views presented by the Carvakas. 10

4. Answer any **four** of the following in about **150** words each :

(a) Explain the difference between Jiva and Ajiva according to Jaina metaphysics. 5

(b) Present a synoptic view of Syadvada according to Jainism. 5

- (c) Present the Buddhist notion of Eightfold Path. 5
- (d) Describe the conception of self according to Cārvākas. 5
- (e) Present the central tenets of Sunyavāda school of Buddhism. 5
- (f) Present an account of idea of Nirvana in Buddhism. 5
5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :
- (a) Significance of *five* great vows in Jaina ethics. 4
- (b) Metaphysical position of the Yogācāra school of Buddhism on the. 4
- (c) Status of the external world. 4
- (d) Four kinds of empirical perception according to Jainism. 4
- (e) Nature of Karma according to Buddhism. 4
- (f) Notion of Tattva in classical Indian philosophy. 4
- (g) Concept of Yagas or Yajnas in Vedic Literature. 4
- (h) Difference between 'henotheism' and 'monotheism.' 4
- (i) Concept of *Rt*. 4

**BPY-001**

स्नातक उपाधि कार्यक्रम  
( बी. डी. पी. ) दर्शनशास्त्र

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन भाग-I

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

**नोट :** (i) सभी पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) प्रश्न संख्या 1 और 2 में प्रत्येक का उत्तर  
लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. शास्त्रीय भारतीय दर्शन के सन्दर्भ सहित श्रुति एवं स्मृति में अन्तर की व्याख्या कीजिए। 20

**अथवा**

“किसके संकल्प एवं निर्देश से मन अपने विषयों को प्रकाशित करता है ? किसके आदेश से जीवन प्रथमतः गतिशील होता है ? किसके माध्यम से (व्यक्ति) वाक्

अभिव्यक्त करते हैं ? किस देवता से आँख और कान सचेत होते हैं ?” केन उपनिषद् के इस उद्धरण की व्याख्या कीजिए। 20

2. प्रश्न उपनिषद् किस तरह विश्व के परम कारण की व्याख्या करता है ? चर्चा कीजिए। 20

### अथवा

माण्डूक्य उपनिषद् के अनुसार चेतना की स्वप्न अवस्था तथा गहन निद्रा अवस्था का विवरण दीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 200-200 शब्दों में दीजिए :

(अ) कठ उपनिषद् में प्रस्तुत नचिकेता सम्वाद के महत्व की व्याख्या कीजिए। 10

(ब) माण्डूक्य उपनिषद् के अनुसार आत्म की विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। 10

(स) मुण्डक उपनिषद् के अनुसार जीव एवं ब्रह्म के सम्बन्ध के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 10

(द) चार्वाक द्वारा प्रस्तुत नैतिक विचारों का उद्घाटित कीजिए। 10

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर लगभग **150-150** शब्दों में दीजिए :

(अ) जैन तत्त्वमीमांसा के अनुसार जीव और अजीव के मध्य भेद की व्याख्या कीजिए। 5

(ब) जैन दर्शन के अनुसार स्यादवाद के मत का संक्षिप्त वर्णन कीजिए। 5

(स) बौद्ध दर्शन के अष्टांगिक मार्ग के विचार को प्रस्तुत कीजिए। 5

(द) चार्वाक के अनुसार आत्मा की अवधारणा का वर्णन कीजिए। 5

(य) बौद्ध दर्शन के शून्यवाद संप्रदाय के केन्द्रीय विचारों को प्रस्तुत कीजिए। 5

(र) बौद्ध दर्शन में निर्वाण के विचार को प्रस्तुत कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग **100-100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(अ) जैन नीतिशास्त्र के पंच महाव्रतों का महत्त्व। 4

(ब) बाह्यार्थ की सत्ता के बारे में योगाचार बौद्ध दर्शन का तत्त्वमीमांसीय दृष्टिकोण। 4

- (स) जैन दर्शन के अनुसार चार लौकिक प्रत्यक्ष। 4
- (द) बौद्ध दर्शन के अनुसार कर्म की प्रकृति। 4
- (य) शास्त्रीय भारतीय दर्शन में तत्त्व की धारणा। 4
- (र) वैदिक साहित्य में यज्ञ की अवधारणा। 4
- (ल) एकैकाधिदेववाद एवं एकेश्वरवाद में अन्तर। 4
- (व) ऋत् की अवधारणा। 4